अनुसंधान केन्द्र, प्लाण्डु में किसानों ने ''जलवायु अनुकूल समेकित कृषि प्रणाली'' पर पाँच दिवसीय प्रशिक्षण, हुआ कृषि ज्ञानवर्द्धन

कृषि प्रणाली का पहाड़ी एवं पठारी अनुसन्धान केंद्र, प्लांडु, राँची में दिनांक 28 अगस्त से 01 सितम्बर, 2023 तक ''जलछाजन परियोजना, बोकारो'' द्वारा प्रायोजित ''जलवायु अनुकूल समेकित कृषि प्रणाली '' पर पाँच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्र प्रधान डा. अरुण कुमार सिंह द्वारा किसानों को कद्दूवर्गीय सब्जियों के उत्पादन के तकनीकी पहलू एवं आर्थिक महत्त्व से अवगत कराया गया। डा. आर.एस. पान, प्रमुख वैज्ञानिक द्वारा समेकित कृषि प्रणाली में कन्दवर्गीय तथा दलहनी सब्जियों को शामिल करने की सलाह दी गई। डा. सुशांता कुमार नायक, प्रमुख वैज्ञानिक ने समेकित कृषि प्रणाली में पोषक तत्त्वों के पुनर्चक्रण के गुर सिखाये। डा. वीरेंद्र कुमार यादव ने समेकित कृषि प्रणाली में उद्यमिता के अवसरों पर प्रकाश डाला। डॉ. अजित कुमार झा , वरीय वैज्ञानिक ने किसानों को मशरूम उत्पादन से समृद्धि की राह दिखाई। डा. पी. भावना, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने किसानों को अधिक आमदनी के लिए मौसमी/बेमौसमी सब्जियों की खेती की उन्नत तकनीक की जानकारी दी। डा. संतोष एस. माली ने जल प्रबंधन के तकनीकी पहलू एवं टपकन सिंचाई विधि का महत्त्व समझाया। कीट विज्ञानी डॉ. जयपाल सिंह चौधरी ने किसानों को समेकित खेती में उगाई जानेवाली फसलों में कीट एवं रोग प्रबंधन की विधियों से अवगत कराया। मृदा वैज्ञानिक डा. रेशमा शिन्दे ने किसानों को समेकित कृषि प्रणाली के विभिन्न मॉडल एवं घटकों की विस्तृत जानकारी दी। केंद्र की पशुविज्ञानी डा. रीना कमल ने समेकित कृषि प्रणाली में पशुपालन का समायोजन करने की सलाह दी। फल वैज्ञानिक डा. महेश कुमार धाकड़ ने किसानों को फल आधारित समेकित कृषि प्रणाली के मॉडल की जानकारी दी। केन्द्र के तकनीकविद श्री सुरेश कुमार एवं श्री विजय कुमार सिंह द्वारा किसानों को केन्द्र के प्रक्षेत्रों में प्रदर्शित सब्जी फसलों के बिचड़ा उत्पादन आदि उन्नत तकनीकों की प्रायोगिक जानकारी प्रदान की।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोकारो , राँची तथा रामगढ़ के लगभग 25 महिला एवं पुरुष किसानों ने भाग लिया।

ह./-

(अरुण कुमार सिंह)